

अकबर खान लनाम रयाना व अन्य



श्रीमान् सह
09/12/24
न्यायालय

11/6/25 पत्रावली पेश हुई। वकील वादी व
वादी स्वयं को बत-बत अवज
लगायी शपी। जिसे कवज्ज भी
अनुपस्थित रहे है।

अतः वादी का वाद अहम एनरी
व अहम वैरपी में खाजिन विषा जाता
है पत्रावली के एक शुभ्राद्वय दायित्व
दफतर है।

सहायक कलक्टर (मु.) अजमेर

[Faint, illegible handwritten text, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

श्रीमान् सह
श्रीमान् सह
श्रीमान् सह
श्रीमान् सह
श्रीमान् सह